पाठ 12

गंदा पानी, फैलाए रोग

हरिमोहन अपने गाँव में अपनी भेड़ें चराया करता था। तालाब पर वह अपनी भेड़ों को पानी पिलाने ले जाता था। उसी तालाब का पानी वह अपने पीने के लिए भी लेता था। तालाब के पानी को गाँव के लोग खाना बनाने, नहाने, पशुओं को पिलाने आदि उपयोग में लेते थे। गाँव का राधे अपनी भैंसों को नहलाने व पानी पिलाने भी उसी तालाब पर ले जाता था। गर्मी के दिनों में तालाब का पानी सूखने लग जाता व कीचड़ बन जाता। इस बचे हुए थोड़े पानी में से भी गाँव के लोग पानी लाते थे। अधिकांश समय गाँव के लोग बीमार ही रहते थे।

चित्रः 12.1 कीचड़ युक्त पानी

घरों से निकला पानी जमा न होने दें।

सोचिए और बताइए

- नदी के पानी और गड्ढ़े के पानी में क्या अंतर है ?
- आपके आस–पास कहाँ–कहाँ ठहरा हुआ पानी आप देखते हैं ?
- गड्ढों के पानी में दुर्गंध क्यों आती है ?
- नदी / नहर के बहते पानी से दुर्गंध क्यों नहीं आती ?

हरिमोहन की बहन अलका को स्कूल के पीछे गड्ढे के पानी को ध्यान से देखने पर उसमें कीड़े दिखाई दिए। गंदे पानी पर बहुत से मच्छर भी उसने बैठे देखे। आस–पास पौधों को छूने पर उनसे बहुत से मच्छर उड़ गए। अलका के घर के बाहर बहुत सुंदर बगीचा है, लेकिन शाम को वहाँ बैठकर खेल नहीं पाते क्योंकि मच्छर काट–काट कर परेशान कर देते हैं।

शिक्षक की सहायता से अपने आस–पास के किसी गड्ढ़े में रूके पड़े पानी को काँच की एक गिलास में सावधानी पूर्वक भरकर लाइए और देखिए।

देखिए और बताइए

- गड्ढ़े के पानी से भरे गिलास में क्या दिख रहा है ?
- क्या इसमें छोटे–छोटे जीव या कीड़े दिखाई दे रहे हैं ?

ठहरे हुए पानी में हमें छोटे–छोटे जीव या कीड़े और पानी के ऊपर मच्छर दिखाई देते हैं। वहाँ वे अपने अंडे देते हैं। इन अंडों से लार्वा (मच्छर के बच्चे) निकलते हैं। लार्वा बड़े होकर मच्छर बन जाते हैं।

राधे का भाई मोहित रोज शाम को बगीचे में खेलता रहता है। वहाँ मच्छर बहुत हैं। कल रात को उसे बहुत तेज ठंड लगी, बाद में तेज बुखार आ गया। एक बार तो उल्टी भी हुई और फिर खूब पसीना आया तथा शरीर का तापमान कम हो गया। उसके पिताजी उसे अस्पताल ले गए जहाँ खून की जाँच की गई। डॉक्टर ने कहा, मोहित को मलेरिया रोग है।

सोचिए और बताइए

- मोहित को मलेरिया रोग क्यों हुआ ?
- मलेरिया रोग के लक्षण कौन–कौन से हैं ?

पता कीजिए–

- मलेरिया कौन से मच्छर के काटने से होता है ?

कुछ जीवों के बच्चे प्रारंभ में अपने माता–पिता के समान नहीं होते हैं। जैसे– मच्छर, तितली में पहले लार्वा बनते हैं।

सोचिए और बताइए

- मच्छरों पर नियंत्रण रखने के लिए कौन–कौनसे उपाय करने चाहिए ?
- खुला पानी कहाँ–कहाँ एकत्र होता है ?
- क्या इस पानी पर मच्छर पनपते हैं ?
- किसी डॉक्टर, नर्स या अन्य स्वास्थ्यकर्मी से रोगों से बचाव वाले पोस्टर एकत्र करें और कक्षा में इन पर चर्चा करिए कि स्वस्थ रहने के लिए क्या करें और क्या नहीं करें।

क्र.सं.	रोग का नाम	रोग फैलने के कारण	रोग के लक्षण
1.	पीलिया	दूषित जल एवं भोजन	सफेद रंग की दस्त, मूत्र पीला आना, आँखों और नाखून का पीला होना, उल्टियाँ होना।
2.	अतिसार	दूषित जल एवं भोजन	दिन में 4–5 या ज्यादा दस्त होना, पेट में मरोड़ें आना, जीभ और होठ सूखना, पेशाब कम आना।
3.	कृमि रोग	दूषित जल एवं भोजन	भूख कम लगना, चेहरे पर पीलापन, पेट में दर्द रहना।
4.	पोलियो	दूषित जल एवं भोजन	बुखार रहना, सिर दर्द, जुकाम, उल्टियाँ, हाथ–पैर में अकड़न, बाद में पैरों में लकवा होना।

सारणी देखिए और बताइए

- दूषित जल और भोजन से कौन–कौनसे रोग होते हैं ?
- आप कैसे पहचानोगे कि किसी को पीलिया हुआ है ?
- बुखार के साथ हाथ–पैर में अकड़न किस रोग के होने का संकेत करते हैं ?

पता कीजिए

- आपके आस–पास कोई बीमार व्यक्ति है तो उसे क्या–क्या तकलीफ है ?
- उसके लक्षणों के आधार पर कौनसा रोग हुआ होगा ?
- बातचीत करके पता करिए कि डॉक्टर ने कौनसा रोग बताया है ?

दूषित पानी से अनेक रोग होते हैं। इन रोगों से बचने का एक ही उपाय है कि पीने का पानी स्वच्छ हो। घरों में पानी को छानकर, उबालकर, स्वच्छ करते हैं। आजकल घरों में फिल्टर लगाकर भी पानी को साफ करते हैं।

> गंदे पानी पर एनाफ्लीज मच्छर पनपते हैं और साफ पानी पर एडीज। मादा एनाफ्लीज मलेरिया और एडीज डेंगू रोग फैलाते हैं।

सोचिए और बताइए

- आप घर पर पानी साफ करने के लिए क्या–क्या करते हैं ?

हमने सीखा

- ठहरे हुए पानी में मच्छर पनपते हैं।
- इन मच्छरों के काटने से मलेरिया और डेंगू होता है।
- हमें अपने आस–पास गंदे पानी को इकट्‌ठा नहीं होने देना चाहिए।
- दूषित जल व भोजन से अनेक प्रकार के रोग होते हैं।

जाना–समझा, अब बताइए

- डेंगू रोग कौनसे मच्छर के काटने से उत्पन्न होता है ?
- पानी को शुद्‌ध करने की विभिन्न विधियों के नाम लिखिए।
- दूषित जल से कौन–कौनसे रोग फैलते हैं ?
- गंदा पानी एक जगह इकट्‌ठा क्यों नहीं होने देना चाहिए ?

मच्छर हटाओ, मलेरिया भगाओ